

ग्रसा**ध**ः **ण** 

## **EXTRAORDINARY**

भाग I--ख0 इ 1

PART I—Section 1



Ho 289

नई दिल्ली, ब्हरपतिथार, नवस्वर 28, 1974/ग्रग्रहावण 7, 1896

No. 289] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 28, 1974/AGRAHAYANA 7, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्थ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 28th November 1974

Subject.—Import of fire-arms of non-prohibited bore.

No. 181-ITC(PN)/74,—Attention is invited to Public Notice No. 71-ITC(PN)/74, dated the 25th May, 164, regarding import of tevolvers of non-prohibited bore offered as free gift to individuals from near relations abroad.

- 2. On a review of the position, it has been decided that the procedure for the issue of Customs Clearance Permits for import of revolvers & pistols, etc., of non-prohibited bore as gift shall, with immediate effect, be as indicated below:-
  - (i) Applications for grant of CCPs for import of firearms, under the gift scheme, shall be received on a quarterly basis, i.e.) during January-March, April-June, July-September and October December. The last date for receipt of application; in each quarter shall be the last working day of the first month of the quarter. Applications received after the prescribed date shall be summarily rejected.
  - (ii) Applications already received, or to be received up to the 30th November 1974, shall only be considered during 1974. No application received thereafter shall be entertained during the current calendar year.
  - (iii) Import of firearms as gift shall be allowed only from blood relations who have been living abroad continuously for a period of not less than two years. For the purpose of this scheme, blood relations will cover only father, mother, wite, husband, son, daughter, or real brother or sister of the applicant.

- (iv) No person shall be eligible to import more than one firearms, namely, revolver, p.stol, etc., more than once during a period of ten years.
- 3. Applications should be made and CCPs obtained by the recipients of the gifts in advance of the mearms covered by the applications being despatched from abroad. No CCPs shall normally be issued after the despatch of the firearms from abroad and/or their arrival in India.
  - 4. The Import of ammunition shall not be allowed, under the scheme.
- 5. The firearms covered by the CCPs shall not be sold, or otherwise disposed of, or transferred, or parter with, for a period of ten years from the date of their importation, unless specific permission of the Chief Controller of Imports and Exports has been obtained, in writing, for the sale or transfer, etc.
  - 6 The following documents should accompany each application
    - (i) Donor's letter, in original, on an aerogram;
    - (ii) An affidavit, on a stamped paper of the appropriate value, duly sworn in before a Magistrate or a Notary Public, showing the exact relationship of the donor with the applicant and that he /she had not imported a firearm, viz., revolver, pistol, riffe, etc. either as gift, or otherwise, during the preceding 10 years and undertaking that the firearm covered by the CCP, if issued in his/her favour, shall not be sold, or otherwise disposed of, or parted with, within a period of ten years from the date of its importation, without obtaining the specific permission of the Chief Controller of Imports and Exports, in writing
    - (iii) A certicate from the concerned Indian Mission abroad indicating the period of the donor's continuous stay abroad;
    - (iv) Valid I. V. C./exemption number issued by the Income-tax authorities, or assessment certificate issued by the Income-tax Department, in favour of the applicant;
    - (v) Valid arms licence issued by the appropriate licensing authority in India; and
    - (vi) A treasury challan for Rs. 50 in respect of application fee.

B. D. KUMAR, Chief Controller of Imports & Exports.

## वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

ग्रायात व्यापार नियंत्रण

नई बिल्ली, 28 नवम्बर, 1974

विषय, - गैर-निषंध बोर के ग्रान्यस्त्रों का ग्रायान

सं 181-माई वित सी (पी एन ) / 74.—विदेश में रहने वाले नजदीकी सम्बन्धियों से ध्यिनतयों को मुक्त उपहार के ६व में दिए गए गैर-निषेध बोर के रिवास्वरों के आयात से संबंधित सार्वजनिक सूचना संख्या 71-ग्राई टी सी (पी एन) / 74 दिनांक 25 मई, 1974 की धोर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

- 2. स्थित की पुनरीक्षा करने पर यह निश्चय किया गया है कि उपहार के रूप में गैर-निषेध बोर के रिवोल्यरों ग्रीर पिस्तौलों के ग्रायात के लिए सीमा शुल्क निकासी परिमट जारी करने के लिए सत्काल से नीचे यथा निर्दिष्ट िकयाविधि होगी:——
  - (1) उपहार योजना के अधीन श्रम्यस्त्रों के भ्रायात के लिए सीमाशुरू निकासी परिमिटों को प्रदान करने के लिए भावेदन पत्र त्रीमासिक श्राधार पर, अर्थात जनवरी-मार्ज,

अभैन-जून, जुलाई-सितम्बर और अक्तूबर-दिसम्बर के दौरान प्राप्त किए जाएंगे। प्रत्येक तिमाही में आवेदन पत्नों की प्राप्त के लिए स्रंतिम तिथि तिमाही के प्रथम मास का स्रंतिम कार्य-दिवस होगा। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त किए गए आवेदन पत्र सरकारी तौर पर अस्वीकार कर दिए जाएंगे।

- (2) पहले ही प्राप्त किए गए या 30 नवस्त्रर, 1974 तक प्राप्त किए जाने वाले आवेदन पत्नों पर केवल 1974 के दौरान विचार किया आएगा। इसके बाद प्राप्त किए गए किसी भी आवेदन पत्ने पर वर्तमान पंचांग वर्ष के दौरान विचार नहीं किया अध्या: 1
- (3) उपहार के रूप में श्रम्यस्तों का ग्रायात केवल उन रक्त-संबंधियों में भ्रनुसेय किया जाएगो जो कम से कम दो वर्षों की श्रविध से लगाता र विदेश में रह रहे हैं। इस योजना के उद्देश्य के लिए रक्त संबंधियों में केवल आवेदक के पिता माता, पत्नी, पति पूत्र, पूत्री, या सभा भएटे यह बहुत शामिल होंगे ।
- (4) कोई भी व्यक्ति 10 यर्षों की श्रविधि के दीए। न एक बार से श्रिधिक एक से अधिक अन्यस्व प्रथित रिवाल्वर, विस्तोल श्रादि श्रामात करने के लिए पाव नहीं होगा ।
- 3. श्रम्पस्त्रों के विदेश से प्रेषित होने से पहले ही उपहार प्राप्तकर्ताओं द्वारा श्रावेदन पत्न देने वाहिएं और सीमाशुरूक निकासी परिसट प्राप्त कर लेने चाहिएं। श्रम्पस्त्रों के विदेश से प्रेषण श्रीर/या भारत में उन के ब्रा पहुंचने के बाद सामान्यतः कोई भी सीमाशुरूक निकासी परिसट जारी नहीं किया जाएंगा।
  - 4. इस योजना के ग्रधीन गोला-बाह्द की ग्रम्मित नहीं की जाएगी।
- 5. सीमाशुस्क निकारी परिमर्टी में शामिल ग्रन्थस्त उनके ग्रायात की निथि में 10 वर्षों की मविष्ठ के लिए तब तक बेचे, या ग्रन्थथा निपटाए, या हस्तान्तरित, या दिए नहीं जाएंगे जब तक कि बिकी मा हस्तान्तरण ग्रादि के लिए मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात से लिखित रूप में विशेष ग्रन्मित प्राप्त म कर की हो।
  - प्रत्येक ग्रायंदन पत्र के साथ निम्नालखित दस्तावेज होने चाहिएं:---
  - (1) एक एरोग्राम पर उपहार कर्ता का मूल रूप मे पत्र,
  - (2) ग्रावेदक के साथ उपहार कर्ता की सही रिफ्तेदारी को प्रदर्शित करते हुए भार यह कि उसने पिछले 10 वर्षों के दौरान श्रान्यस्त्र प्रश्नीत् रिवाल्यर, पिस्तील, राइफल ग्रादि या तो उपहार के रूप में या श्रान्य किसी प्रकार से ग्रायात नहीं किया था इस को प्रदर्शित करते हुए मिजस्ट्रेट या नोटरी पिल्लिक के सामने विधिवत् शपथ लेकर उचित मूल्य के स्टाम्प पेपर पर एक शपथ पत्र ग्रीर इस संबंध में एक बचन पत्र कि यदि सीमाशुलक निकासी परिमिट उसको जारी किया गया तो उसमें शामिल ग्रान्यस्त्र मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात की लिखित रूप में विशेष ग्रानुमित प्राप्त किये बिना उसके ग्रायात करने की तिथि से 10 वर्षों की ग्रावधि के भीतर उसे बेचा या ग्रान्य प्रकार से निपटाया या छोड़ा नहीं खाएगा,।

- (3) उपहार कर्ता के विदेश में लगातार दो क्यों की प्रवंशि के उहराक की निविध्य करते हुए विदेश में सम्बद्ध भारतीय सिंशन से एक प्रमाण सकः
- (4) भायकर प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए भ्रायकर सत्यापन प्रमाण पन्न/कूट संख्या या भ्रायकर विभाग द्वारा भ्रावेदक को जारी किया गया कर निर्धारण प्रमाण पन्न;
- (5) भारत के उचित प्राधिकारी द्वारा नारी किया गया वैध प्रग्यस्त लाइसेन्स; मौर
- ·(७६) न्याबेदन पतः शुरुकः के संजंधःमें 50 रुपये का एक राजनीय- :कालातः।

बी० डी० कुमार, मकाःवियंद्यक्, प्राथात-निर्यात ।